आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 22.10.2025
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- भारत, कुल वन क्षेत्र के मामले में विश्व स्तर पर 9वें स्थान पर पहुंचा। वार्षिक वन क्षेत्र वृद्धि में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर काबिज।
- गंगोत्री धाम के कपाट परम्परागत रूप से शीतकाल में श्रद्धालुओं के लिए बंद किए गए। यमुनोत्री और केदारनाथ धाम के कपाट कल होंगे बंद।
- मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में चल रहे पुनर्निर्माण और विकास कार्यों का निरीक्षण किया।
- प्रदेश में गोवर्धन पूजा का पर्व धार्मिक उत्साह और भक्ति के साथ मनाया गया।

भारत उपलब्धि

भारत ने विश्व के कुल वन क्षेत्र में नौवें स्थान पर आकर वैश्विक पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इंडोनेशिया के बाली में खाद्य और कृषि संगठन से जारी वैश्विक वन संसाधन आकलन–2025 में यह जानकारी दर्ज की गई। पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि दसवें स्थान से नौवें स्थान पर आना एक बडी उपलब्धि है। यह प्रगति वन संरक्षण, वन्यीकरण और सामुदायिक प्रयासों से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों की सफलता रेखांकित करती है। श्री यादव ने कहा कि वार्षिक वन क्षेत्र वृद्धि में विश्व में भारत का तीसरा स्थान बना हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल– ''एक पेड मां के नाम'' से पूरे देश को पौधारोपण की प्रेरणा मिल रही है।

गंगोत्र कपाट बंद

उत्तरकाशी जिले में स्थित गंगोत्री धाम के कपाट आज अन्नकूट पर्व पर परम्परागत रूप से पूर्वाहन 11 बजकर 36 मिनट पर श्रद्धालुओं के बंद कर दिए गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। गंगोत्री मंदिर समिति के सचिव सुरेश सेमवाल ने बताया कि कपाट बंद होने के बाद, मां गंगा की उत्सव डोली अपने शीतकालीन प्रवास मुखवा गांव के लिए रवाना हो गई है, जहां शीतकाल में श्रद्धालु, मां गंगा के दर्शन कर सकेंगे।
वहीं, यमुनोत्री धाम के कपाट भी कल भैय्या दूज के पर्व पर अपराह्न 12 बजकर 30 मिनट पर बंद किए जाएंगे। इस यात्राकाल में अब तक गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में 14 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए।

केदारनाथ कपाट

केदारनाथ धाम के कपाट कल भैय्या दूज पर सुबह 8 बजकर 30 मिनट पर शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। कपाट बंद करने की प्रक्रिया सुबह चार बजे से शुरू हो जाएगी। धाम के प्रधान पुजारी बागेश लिंग द्वारा बाबा केदार की विशेष पूजा–अर्चना की जाएगी और अन्य धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया जाएगा। प्रधान पुजारी ने बताया कि कपाट बंद होने के बाद बाबा केदार की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली केदारनाथ धाम से प्रस्थान करेगी। उत्सव डोली विभिन्न पड़ावों से होते हुए 25 अक्टूबर को अपने शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ में विराजमान होगी। इसके बाद अगले छह माह तक बाबा केदार के भक्त इसी स्थान पर अपने आराध्य के दर्शन कर पूजा–अर्चना कर सकेंगे।

केदारनाथ धाम में इस वर्ष कपाट खुलने के बाद से अब तक 17 लाख 45 हजार से अधिक शिव भक्त दर्शन कर चुके हैं।

जन जागरुकता

चंपावत पुलिस ने भारत–नेपाल सीमा पर नशे और मानव तस्करी के खिलाफ एक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। पुलिस अधीक्षक अजय गणपति के निर्देश पर एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की टीम ने बनबसा क्षेत्र में पिलर संख्या–07 पर यह कार्यक्रम चलाया। इस कार्यक्रम में सीमा पार आने–जाने वाले नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों, अवैध मादक पदार्थों की खरीद–फरोख्त से जुड़े कानूनी प्रावधानों और मानव तस्करी जैसे गंभीर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस टीम ने नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति के बारे में तत्काल पुलिस को सूचित करें। कार्यक्रम का उद्देश्य नशे और मानव तस्करी जैसी सामाजिक बुराइयों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। पुलिस अधीक्षक अजय गणपति ने बताया कि जिले के सभी थाना और चौकी प्रभारियों को अपने–अपने क्षेत्रों में नियमित चेकिंग और जन जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन का लक्ष्य, समाज को नशे और मानव तस्करी जैसी बुराइयों से पूरी तरह मुक्त कर एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है।

गोवर्धन पूजा

प्रदेश में आज गोवर्धन पूजा का पर्व धार्मिक उत्साह और भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गौ माताओं की पूजा की गई और गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत की प्रतिमा बनाकर उसका पूजन किया गया। हरिद्वार में राधा–कृष्ण के विभिन्न मंदिरों में आज विशेष पूजा की गई। भगवान कृष्ण को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग भी लगाया गया। कनखल स्थित राधा–कृष्ण मंदिर के पुजारी प्रणव शर्मा ने बताया कि गोवर्धन पूजा की परंपरा उनके मंदिर में वर्षों से चली आ रही है।

चम्पावत जिले के विभिन्न स्थानों में गौ पालकों ने विधि–विधान से गायों की पूजा अर्चना कर फल–फूलों की माला पहनाकर उन्हें विभिन्न तरह के पकवान खिलाए और सुख समृद्धि की कामना की। श्रद्धालु निधि ने कहा कि गोवर्धन पूजा, भारतीय पुरातन संस्कृति और परम्परा का हिस्सा है।

उधर, टिहरी जिले की विभिन्न गौशालाओं में गाय और गोवंश का श्रृंगार कर उन्हें गुड़, सिंवई आटा और फल खिलाए गए। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बैलों की पूजा–अर्चना कर खेती–किसानी की खुशहाली की कामना की गई। भिलंगना ब्लॉक के सेमल्थ, ढाब–सौड़, फलेंडा आदि गांवों में किसानों ने अपने बैलों के सींगों पर तेल लगाया और फूल माला पहना कर उनकी पूजा की।

मुख्य सचिव

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने आज बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में चल रहे पुनर्निर्माण और विकास कार्यों का निरीक्षण किया। मुख्य सचिव ने बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत किए जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने एराइवल प्लाजा, सिविक एमेनिटी सेंटर, बद्रीश और शेषनेत्र झील, रिवर फ्रंट और अस्पताल भवन के कार्यों की प्रगति की जायजा लिया। उन्होंने कहा कि रिवर फ्रंट की ऐसी जगह, जहां प्राकृतिक धाराएं हैं, वहां निर्माण कार्यों को कराये जाने के लिए विशेषज्ञों की राय आवश्यक है। इसके लिए राष्ट्रीय स्तर की विशेषज्ञ टीम द्वारा अध्ययन कराया जा रहा है। मुख्य सचिव ने विशेषज्ञों की रिपोर्ट के आधार पर कार्यदायी संस्था को ऐसी जगहों पर रिवर फ्रंट के कार्यों को करवाए जाने की बात कही। साथ ही सभी निर्माण कार्यों को तय समय सीमा में पूरा करने और कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के अधिकारियों को निर्देश दिए। इससे पहले श्री बर्धन ने केदारनाथ धाम में चल रहे पुनर्निर्माण और विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने धाम क्षेत्र में विभिन्न चरणों में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और कार्य निष्पादन की समीक्षा की और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

आईटीबीपी स्थापना दिवस

भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल– आईटीबीपी का 64वां स्थापना दिवस आगामी 24 अक्टूबर को नैनीताल जिले के हल्दूचौड़ स्थित बल की 34वीं वाहिनी मुख्यालय में धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर वाहिनी परिसर में बल का  ध्वज फहराने के बाद सुबह आठ बजे परेड आयोजित की जाएगी।

सेनानी, कमांडेंट अनिल सिंह बिष्ट ने आकाशवाणी को यह जानकारी देते हुए बताया कि इस मौक़े पर वाहिनी परिसर में ही जवानों और उनके परिजनों के लिए मीना बाज़ार की तर्ज़ पर विभिन्न तरह के स्टॉल लगाने के साथ ही खेलकूद गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा सभी अधिकारियों और अधीनस्थों के लिए रात्रि में बड़ा खाना का भी आयोजन किया जाएगा।